

अत्यंत गोपनीय-केवल आंतरिक एवं सीमित प्रयोग हेतु

सीनियर सेकेंडरी स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा, 2025

अंक-योजना

हिंदी 'आधार' विषय कोड—302

प्रश्न-पत्र कोड— 2/5/1, 2/5/2, 2/5/3

सामान्य निर्देश:-

1. आप जानते हैं कि परीक्षार्थियों के सही और उचित आकलन के लिए उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी-सी भूल भी गंभीर समस्या को जन्म दे सकती है, जो परीक्षार्थियों के भविष्य, शिक्षा-प्रणाली और अध्यापन-व्यवस्था को भी प्रभावित कर सकती है। इससे बचने के लिए अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन प्रारंभ करने से पूर्व ही आप मूल्यांकन निर्देशों को पढ़ और समझ लें।
2. मूल्यांकन नीति एक गोपनीय नीति है क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं की गोपनीयता, किए गए मूल्यांकन तथा कई अन्य पहलुओं से संबंधित है। इसका किसी भी तरह से सार्वजनिक रूप से लीक होना परीक्षा-प्रणाली के पटरी से उतरने का कारण बन सकता है और लाखों परीक्षार्थियों के जीवन और भविष्य को प्रभावित कर सकता है। इस नीति /दस्तावेज को किसी को भी साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापना BNS के तहत कार्यवाही को आमंत्रित कर सकता है।
3. मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही किया जाना चाहिए, अपनी व्यक्तिगत व्याख्या या किसी अन्य धारणा के अनुसार नहीं। यह अनिवार्य है कि अंक-योजना का अनुपालन पूरी तरह और निष्ठापूर्वक किया जाए। हालाँकि, मूल्यांकन करते समय नवीनतम सूचना और ज्ञान पर आधारित अथवा नवाचार पर आधारित उत्तरों को उनकी सत्यता और उपयुक्तता को परखते हुए पूरे अंक दिए जाएँ।
4. मुख्य परीक्षक प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता के द्वारा पहले दिन जाँची गई उत्तर-पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की जाँच ध्यानपूर्वक करे और आश्वस्त हो कि मूल्यांकन-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही मूल्यांकन किया जा रहा है। परीक्षकों को बाकी उत्तर-पुस्तिकाएँ तभी दी जाएँ, जब वह आश्वस्त हो कि उनके अंकन में कोई भिन्नता नहीं है।
5. परीक्षक सही उत्तर पर सही का निशान (√) लगाएँ और गलत उत्तर पर गलत का (X)। मूल्यांकन-कर्ता द्वारा ऐसा चिह्न न लगाने से ऐसा समझ में आता है कि उत्तर सही है, परंतु उस पर अंक नहीं दिए गए। परीक्षकों द्वारा यह भूल सर्वाधिक की जाती है।
6. यदि किसी प्रश्न का उपभाग हो तो कृपया प्रश्नों के उपभागों के उत्तरों पर दायीं ओर अंक दिए जाएँ। बाद में इन उपभागों के अंकों का योग बायीं ओर के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए। इसका अनुपालन दृढ़तापूर्वक किया जाए।
7. यदि किसी प्रश्न का कोई उपभाग न हो तो बायीं ओर के हाशिये में अंक दिए जाएँ और उन्हें गोलाकृत किया जाए। इसके अनुपालन में भी दृढ़ता बरती जाए।

8. यदि परीक्षार्थी ने किसी प्रश्न का उत्तर दो स्थानों पर लिख दिया है और किसी को काटा नहीं है तो जिस उत्तर पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उस पर अंक दें और दूसरे को काट दें। यदि परीक्षार्थी ने अतिरिक्त प्रश्न/प्रश्नों का उत्तर दे दिया है तो जिन उत्तरों पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उन्हें ही स्वीकार करें/ उन्हीं पर अंक दें।
9. पूर्णतः गलत उत्तर को काटकर शून्य (0) अंक दें। एक ही प्रकार की अशुद्धि बार-बार हो, तो उसे अनदेखा करें और उस पर अंक न काटे जाएँ।
10. यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि मूल्यांकन में संपूर्ण अंक पैमाने 0 – 80 (उदाहरण 0--80 अंक जैसा कि प्रश्न-पत्र में दिया गया है) का प्रयोग अभीष्ट है अर्थात् परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर-बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे अंक देने में संकोच न करें।
11. प्रत्येक परीक्षक को पूर्ण कार्य-अवधि में अर्थात् 8 घंटे प्रतिदिन अनिवार्य रूप से मूल्यांकन कार्य करना है। (विस्तृत विवरण 'स्पॉट गाइडलाइन' में दिया गया है)
12. यह सुनिश्चित करें कि आप निम्नलिखित प्रकार की त्रुटियाँ न करें जो पिछले वर्षों में की जाती रही हैं-
- उत्तर पुस्तिका में किसी उत्तर या उत्तर के अंश को जाँचे बिना छोड़ देना।
 - उत्तर के लिए निर्धारित अंकों से अधिक अंक देना।
 - उत्तर में दिए गए अंकों का योग ठीक न होना।
 - उत्तर-पुस्तिका के अंदर दिए गए अंकों का आवरण पृष्ठ पर सही अंतरण न होना।
 - आवरण पृष्ठ पर प्रश्नानुसार योग करने में अशुद्धि।
 - योग करने में, अंकों और शब्दों में अंतर होना।
 - उत्तर पुस्तिकाओं से ऑनलाइन अंकसूची में सही अंतरण न होना।
 - कुल अंकों के योग में अशुद्धि।
 - उत्तरों पर सही का चिह्न ($\sqrt{\quad}$) लगाना किंतु अंक न देना।
13. प्रत्येक परीक्षक यह भी सुनिश्चित करेगा कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन किया जाए, शीर्षक पृष्ठ पर की गई प्रविष्टि सही हो तथा प्राप्तांकों को अंकों और शब्दों दोनों में लिखें।
14. परीक्षार्थी निर्धारित प्रसंस्करण शुल्क के भुगतान पर अनुरोध कर उत्तर-पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त करने के अधिकारी हैं। अतः सभी मुख्य परीक्षकों/ अतिरिक्त मुख्य परीक्षकों/ परीक्षकों/ समन्वयकों को एक बार फिर से याद दिलाया जाता है कि उन्हें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि मूल्यांकन योजना में दिए गए प्रत्येक उत्तर के लिए मूल्य-बिंदुओं के अनुसार मूल्यांकन किया जाए।

अंक योजना

हिंदी 'आधार'(302)

प्रश्न सं.	2/5/1	2/5/2	2/5/3	मूल्यांकन बिंदु	अंक
				खंड - क (अपठित बोध)	(18)
1	1	2	1	अपठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय/वस्तुपरक प्रश्न -	(10)
	(i)	(i)	(i)	(A) दुख का कारण होने के कारण	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(A) सुधारात्मक	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(C) केवल कथन III और IV सही हैं।	1
	(iv)	(iv)	(iv)	● आर्थिक तंगी, बदनामी, स्वास्थ्य की क्षति, मनोमालिन्य आदि।	1
	(v)	(v)	(v)	● दुर्बल होना ● दुर्व्यसनों से मुक्ति मिलने की आशा का न रहना ● जीवन में निराशा और नकारात्मकता का घर कर जाना ● आत्मविश्वास का डगमगा जाना (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
	(vi)	(vi)	(vi)	● स्वयं पर विश्वास न जम पाने के कारण ● शरीर पर दुर्बल मन का अधिकार होने के कारण ● सामाजिक प्रतिष्ठा, कुरीतियों का विरोध न कर पाने की हिम्मत न जुटा पाने के कारण (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
	(vii)	(vii)	(vii)	● दिखावे की प्रवृत्ति के कारण ● सामाजिक दबाव के कारण ● पारंपरिक आस्था के कारण ● गहरे तक मन में बैठे तर्कहीन प्रयासों का बुद्धि विवेक पर हावी हो जाने के कारण (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2

2	2	1	2	अपठित पद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय/वस्तुपरक प्रश्न - (D) दान देने से जीवन की निरंतरता बनी रहती है (B) स्वत्व का त्याग कर, परोपकार का दीया जलाने वाला (C) (i) और (ii) दोनों	(8)
	(i)	(i)	(i)		1
	(ii)	(ii)	(ii)		1
	(iii)	(iii)	(iii)		1
	(iv)	(iv)	(iv)	● अहंकार के कारण स्वत्व का त्याग	1
	(v)	(v)	(v)	● देय वस्तु के प्रति मोह दिखाने के लिए ● मानव जीवन की सार्थकता को नष्ट करने के लिए	2
	(vi)	(vi)	(vi)	● परोपकार हेतु जीवन व्यतीत करने के कारण ● जीवन को गति देने के कारण	2
				खंड - ख (अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक पर आधारित प्रश्न)	(22)
3	3	4	3	दिए गए विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख- ● आरंभ – 1 अंक ● विषय-वस्तु – 3 अंक ● भाषा – 1 अंक ● प्रस्तुति – 1 अंक	6x1= 6
4	4	3	4	किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में अपेक्षित- माध्यम- ● मुद्रित माध्यम विशेषता- ● स्थायित्व ● सस्ता ● कहीं से भी, कभी-भी पढ़ने की सुविधा आदि (कोई एक बिंदु अपेक्षित)	(4x2 =8) 1+ ½+½

	(ii)	(ii)	(ii)	भाषा- <ul style="list-style-type: none"> ● सरल और प्रचलित भाषा आशय- <ul style="list-style-type: none"> ● समाचार को लिखते हुए छह सवालों का जवाब देने की कोशिश ● छह ककार - क्या, किसके (कौन), कहाँ, कब, क्यों और कैसे (कोई एक बिंदु अपेक्षित) भूमिका- <ul style="list-style-type: none"> ● प्रारंभ के तीन या चार ककारों का समाचार लेखन के इंट्रो (मुखड़ा) में प्रयोग ● शेष दो ककार 'क्यों' और 'कैसे' का समाचार लेखन की बॉडी में प्रयोग (कोई एक बिंदु अपेक्षित) 	1+1
	(iii)	(iii)	(iii)	विशेष लेखन- <ul style="list-style-type: none"> ● किसी खास विषय पर सामान्य लेखन से हटकर किया गया लेखन संबंध- <ul style="list-style-type: none"> ● समाचार पत्र-पत्रिकाओं, रेडियो, दूरदर्शन आदि में विशेष लेखन के लिए अलग-अलग डेस्क ● विशेष डेस्क पर काम करने वाले पत्रकार को अपने विषय की विशेषज्ञता और तकनीकी शब्दावली का ज्ञान (कोई एक बिंदु अपेक्षित) 	1+1
	(iv)	(iv)	(iv)	<ul style="list-style-type: none"> ● परिस्थिति, परिवेश, पात्र और कथानक संबंधी टिप्पणियों का दृश्यों में न ढाल पाना ● पात्रों के मनोभावों एवं द्रंद्र की अभिव्यक्ति कठिन 	2
	(v)	(v)	(v)	आशय- <ul style="list-style-type: none"> ● परंपरा से चले आ रहे विषयों से हटकर नए और मौलिक विषयों पर लेखन हानि- <ul style="list-style-type: none"> ● सृजनात्मक लेखन-कौशल का विकास न हो पाना 	1+1

5	5	5	5	किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 80 शब्दों में अपेक्षित-	(2x4 =8)
	(i)	-	-	<p>क्यों-</p> <ul style="list-style-type: none"> ● रेडियो का श्रव्य माध्यम होना ● समस्त प्रस्तुति ध्वनि, स्वर और शब्दों पर निर्भर ● श्रोताओं की अभिरुचि एवं माँग के अनुरूप कार्यक्रमों की प्रस्तुति (कोई दो बिंदु अपेक्षित) <p>सुविधाएँ नहीं-</p> <ul style="list-style-type: none"> ● सुविधानुसार/इच्छानुसार खबरों को सुनने की ● शब्दों के अर्थ समझने के लिए रुकने की ● अखबार की तरह पीछे लौटने की ● पुनः सुनने, शब्दकोश की सहायता लेने का अवसर न होना (कोई दो बिंदु अपेक्षित) 	2+2
	(ii)	-	-	<p>महत्त्व-</p> <ul style="list-style-type: none"> ● पत्रकारीय लेखन के लिए कच्ची सामग्री का माध्यम <p>अपेक्षित गुण-</p> <ul style="list-style-type: none"> ● विषय विशेष की पर्याप्त जानकारी ● संवेदनशीलता, कूटनीति, धैर्य और साहस ● सटीक प्रश्न-निर्माण क्षमता 	1+3
	(iii)	-	-	<p>महत्त्व -</p> <ul style="list-style-type: none"> ● जीवन का मूल आधार ● आर्थिक क्रियाकलापों के बिना आवश्यकताओं की पूर्ति संभव नहीं ● पाठक विशेष की रुचि (कोई दो बिंदु अपेक्षित) <p>विशेषताएँ -</p> <ul style="list-style-type: none"> ● आर्थिक जगत की विशेष जानकारी ● आर्थिक जगत के उतार-चढ़ाव के बारे में विश्लेषण की क्षमता ● विशेष पाठकों के साथ ही जन-सामान्य को भी आर्थिक शब्दावली समझाने में सक्षम होना (कोई दो बिंदु अपेक्षित) 	2+2

-	(i)	-	<p>माध्यम-</p> <ul style="list-style-type: none"> ● प्रिंट/मुद्रित माध्यम <p>खूबियाँ-</p> <ul style="list-style-type: none"> ● छपे हुए शब्दों में स्थायित्व ● बार-बार पढ़ सकने की सुविधा ● अपनी गति से पढ़कर सोचने की सुविधा <p>खामियाँ –</p> <ul style="list-style-type: none"> ● निरक्षरों के लिए अनुपयोगी ● तुरंत घटी घटनाओं का प्रस्तुतीकरण संभव नहीं ● छपी हुई गलतियों में सुधार संभव नहीं (कोई दो बिंदु अपेक्षित) 	1+ 1½+ 1½
-	(ii)	-	<ul style="list-style-type: none"> ● समाचार तात्कालिक घटनाओं से पाठकों को परिचित कराता है, जबकि फीचर में ऐसा आवश्यक नहीं ● समाचार में अपने विचारों के बजाय तथ्यात्मकता पर बल दिया जाता है, किंतु फीचर में स्वयं के विचारों को प्रकट करने की आजादी ● फीचर में अधिकांशतः आत्मनिष्ठ शैली जबकि समाचार में कथात्मक और विश्लेषणात्मक शैली ● फीचर की भाषा-सहज-सरल, आकर्षक, रोचक एवं मनमोहक जबकि समाचारों की भाषा में सपाटबयानी 	4
-	(iii)	-	<ul style="list-style-type: none"> ● अधिकतर लोगों की खेलों में रुचि ● खेल व्यक्ति के जीवन में नई ऊर्जा का वाहक ● जीवन में व्यस्तता के बावजूद खेलों में दिलचस्पी बने रहना ● वर्तमान समय में अपराध या घोटालों से जुड़े समाचारों के बीच, खेल स्वस्थ और ताजगी प्रदान करने में सहायक ● वर्तमान समय में खिलाड़ियों और पत्रकारों के लिए खेल जगत में भविष्य की असीम संभावनाएँ ● खेलों के माध्यम से राष्ट्रीयता की भावना का विकास (कोई चार बिंदु अपेक्षित) 	4

	-	-	(i)	(उचित एवं तर्कपूर्ण मुक्त उत्तर स्वीकार्य)	4
	-	-	(ii)	विकास- <ul style="list-style-type: none"> ● 19वीं सदी के मध्य में शुरुआत ● अमेरिका में हुए गृहयुद्ध के दौरान ● लेखन और संपादन की सुविधा ● टेलीग्राफिक सेवाओं का मँहगा, अनियमित और दुर्लभ होना (कोई दो बिंदु अपेक्षित) महत्त्व- <ul style="list-style-type: none"> ● संपादन की सुविधा के कारण यह शैली समाचार लेखन की मानक शैली ● इसमें महत्त्वपूर्ण सूचना या जानकारी पहले पैराग्राफ में और कम महत्त्वपूर्ण बाद में ● आकर्षक, ग्राह्य, सीमित समय और स्थान में भी समाचार पाठकों, श्रोताओं या दर्शकों तक पहुँच (कोई दो बिंदु अपेक्षित) 	2+2
	-	-	(iii)	महत्त्व- <ul style="list-style-type: none"> ● विचारपरक लेखन के माध्यम से समझ का बढ़ना ● घटनाओं के कारणों और प्रभावों की व्यापकता की जानकारी टिपण्णी- <ul style="list-style-type: none"> ● संपादकीय समूह द्वारा लेखन ● किसी सम-सामयिक या महत्त्वपूर्ण विषयों पर संपादकीय समूह की राय ● जनमत निर्माण (कोई दो बिंदु अपेक्षित) 	2+2
				खंड - ग (पाठ्य पुस्तक आरोह तथा वितान पर आधारित)	(40)
6	6	6	6	‘पठित काव्यांश’ पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर -	(5x1=5)
	(i)	(i)	(i)	(C) 1-(i), 2-(iii), 3-(ii)	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(A) विचार और अभिव्यक्ति का	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।	1

	(iv)	(iv)	(iv)	(C) परिश्रम का प्रतिफल मिलने लगा	1
	(v)	(v)	(v)	(B) रचना और विकास के लिए स्वयं का त्याग करना पड़ता है।	1
7	7	7	7	<p>‘पद्य खंड’ पर आधारित किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर (लगभग 60 शब्दों में) –</p> <p>(i) - -</p> <ul style="list-style-type: none"> ● माँ द्वारा अपने बच्चे को गोद में लेकर हाथों पर झूला झुलाना, लोका देना, बच्चे की खिलखिलाती हँसी गूँजना ● गेसुओं में कंधी करना, घुटनों में लेकर कपड़े पहनाना ● दर्पण में चाँद दिखाकर बच्चे को बहलाना ● दीपावली पर घर सजाना, बच्चे के घरोंदे में दीपक जलाना ● बहन का अपने भाई की कलाई पर राखी बाँधना (कोई तीन बिंदु अपेक्षित) <p>(ii) - - (कथन के संदर्भ में परीक्षार्थी के उचित एवं तर्कपूर्ण मुक्त उत्तर स्वीकार्य)</p> <p>(iii) - - प्रकृति पर प्रभाव -</p> <ul style="list-style-type: none"> ● पृथ्वी के गर्भ में सोए अंकुरों का प्रस्फुटित होना ● छोटे-छोटे पौधों का प्रफुल्लित होना, उनमें नवजीवन का संचार ● ऊँचे पर्वतों का कंपायमान होना <p>किसानों पर प्रभाव-</p> <ul style="list-style-type: none"> ● आशा का संचार ● फसलों का लहलहाना ● कृषक वर्ग का झूमना <p>- (i) -</p> <ul style="list-style-type: none"> ● क्रांति में सामान्य-जन की भूमिका महत्वपूर्ण ● शोषक वर्ग एवं शोषण का अंत ● सामान्य-जन की प्रसन्नता का कारण <p>(कथन के पक्ष या विपक्ष में परीक्षार्थी के उचित एवं तर्कपूर्ण उत्तर स्वीकार्य)</p>	<p>(2x3 =6)</p> <p>3</p> <p>3</p> <p>1½+</p> <p>1½</p> <p>3</p>

-	(ii)	-	<p>किसे-</p> <ul style="list-style-type: none"> ● पेट की आग (भूख) <p>क्यों-</p> <ul style="list-style-type: none"> ● नैतिक-अनैतिक सभी कार्यों को करने के लिए विवश होना <p>किस प्रकार-</p> <ul style="list-style-type: none"> ● राम रूपी घनश्याम (मेघ) के कृपा-जल द्वारा 	1+1+ 1
-	(iii)	-	<ul style="list-style-type: none"> ● घटाओं में बिजली की चमक एवं ऊर्जा के समान भाई-बहन के हृदयों में एक-दूसरे के प्रति प्रेम विद्यमान ● घटाओं में चमकती बिजली के समान भाई की कलाई पर राखी के लच्छों का चमकना ● घटा का जो संबंध बिजली से, वही संबंध भाई का बहन से 	3
-	-	(i)	<ul style="list-style-type: none"> ● साधारण मनुष्य की भाँति प्रलाप करना ● भावी परिणाम से शोकाकुल राम का भयभीत होना ● स्वयं की असहाय स्थिति का उल्लेख करना 	3
-	-	(ii)	<p>रुबाई –</p> <ul style="list-style-type: none"> ● उर्दू और फारसी का चार पंक्तियों वाला एक छंद या लेखन शैली ● पहली, दूसरी और चौथी पंक्ति तुकांत, तीसरी पंक्ति स्वच्छंद (कोई एक बिंदु अपेक्षित) <p>समानता-</p> <ul style="list-style-type: none"> ● एक-दूसरे के पूरक ● सौंदर्य से परिपूर्ण ● माँ की गोद में बच्चा और आकाश में चमकते चाँद द्वारा ममत्व और वात्सल्य भाव को पूर्णता प्रदान करना (कोई दो बिंदु अपेक्षित) 	1+2
-	-	(iii)	<ul style="list-style-type: none"> ● बादल क्रांति का वाहक है और शोषितों के जीवन में क्रांति के पश्चात ही खुशहाली संभव ● शोषक वर्ग क्रांति से घबराता है, उसके मन में क्रांति के प्रति डर की भावना (कथन के पक्ष या विपक्ष में परीक्षार्थी के उचित एवं तर्कपूर्ण उत्तर स्वीकार्य) 	3

8	8	8	8	<p>‘पद्य खंड’ पर आधारित किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर (लगभग 40 शब्दों में) –</p>	(2x2 =4)
	(i)	(i)	(i)	<ul style="list-style-type: none"> ● श्यामलता के साथ सफेदी का मिश्रण ● नमी ● पवित्रता (कोई दो बिंदु अपेक्षित) 	2
	(ii)	(ii)	(ii)	<ul style="list-style-type: none"> ● मीडियाकर्मी द्वारा पूछे गए बेतुके प्रश्न ● अधिक संवेदनशील होने के कारण अपने दुख की अभिव्यक्ति में असहजता ● मीडियाकर्मी द्वारा उसकी पीड़ा को कुरेदकर उसे और दुखी करना (कोई दो बिंदु अपेक्षित) 	2
	(iii)	(iii)	(iii)	<ul style="list-style-type: none"> ● बात को सहज, सरल या स्पष्ट रूप से न कहने पर ● बात को तोड़-मरोड़, उलट-पुलट कर उलझा देने पर ● कठिन शब्दावली का प्रयोग करने पर ● पांडित्य-प्रदर्शन करने पर (कोई दो बिंदु अपेक्षित) 	2
9	9	10	9	<p>‘पठित गद्यांश’ पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर -</p>	(5x1 =5)
	(i)	(i)	(i)	(C) कारागार से यमलोक की तरह	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(A) जेल यात्रा	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(B) भक्तिन के मन में कारागार से भी बड़ा डर लेखिका का साथ छूटने का है।	1
	(iv)	(iv)	(iv)	(A) 1 – (iii), 2 – (i), 3 – (ii)	1
	(v)	(v)	(v)	(B) महादेवी के प्रति आत्मीयता	1
10	10	9	10	<p>‘गद्य खंड’ पर आधारित किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर (लगभग 60 शब्दों में) –</p>	(2x3 =6)
	(i)	(i)	(i)	<ul style="list-style-type: none"> ● अनावश्यक वस्तु को भी आवश्यक मानकर खरीदारी करना ● पर्चेजिंग पॉवर (क्रय शक्ति) का अहंकार ● माँग और पूर्ति का सीधा असर बाजार में दिखाई देना ● दो भाइयों या सहृदयों का भी विक्रेता और ग्राहक की तरह काम करने लगना (कोई तीन बिंदु अपेक्षित) 	3

	(ii)	(ii)	(ii)	अंतिम उपाय- <ul style="list-style-type: none"> गाँव के बच्चों की इंदर सेना (मेंढक मंडली) का जुलूस निकालना कठिनाई से इकट्ठा किए गए पानी को गाँव वालों द्वारा इंदर सेना पर उँड़ेलना राय- (परीक्षार्थी के उचित एवं तर्कपूर्ण उत्तर स्वीकार्य)	1+2
	(iii)	(iii)	(iii)	<ul style="list-style-type: none"> अँधेरी रात का चुपचाप आँसू बहाना चारों तरफ निस्तब्धता और अंधकार का वातावरण होना सियारों, कुत्तों का क्रंदन और पेचक की डरावनी आवाज 	3
11	11	12	11	‘गद्य खंड’ पर आधारित किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर (लगभग 40 शब्दों में) –	(2x2=4)
	(i)	(i)	(i)	<ul style="list-style-type: none"> शिरीष के समान ही कबीर की मस्ती, फक्कड़पन, बेपरवाही और सरसता संघर्षों का सामना करते हुए दोनों का मस्त, बेपरवाह बने रहना 	2
	(ii)	(ii)	(ii)	तत्त्व- <ul style="list-style-type: none"> स्वतंत्रता, समता, भ्रातृता भाव- <ul style="list-style-type: none"> सामूहिक दिनचर्या की रीति समाज के सम्मिलित अनुभवों का आदान-प्रदान साथियों के प्रति श्रद्धा और सम्मान का भाव (कोई एक बिंदु अपेक्षित) 	1+1
	(iii)	(iii)	(iii)	गुण- <ul style="list-style-type: none"> सहज बुद्धि के बल पर लोगों के भाव पहचानना क्यों - <ul style="list-style-type: none"> लेखिका के प्रति समर्पित लोगों के प्रति ही विशेष सम्मान तथा सद्भाव रखना 	1+1

12	12	11	12	<p>‘पूरक पाठ्य पुस्तक’ पर आधारित किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर (लगभग 100 शब्दों में)</p> <p>—</p>	(2x5 =10)
	(i)	-	-	<ul style="list-style-type: none"> ● वैचारिक मतभेद ● दूसरे बेटे द्वारा ‘एलाइड सर्विसेज’ की नौकरी ज्वाइन न करना ● तीसरे बेटे द्वारा स्कॉलरशिप लेकर अमेरिका चले जाना ● बेटी द्वारा सभी प्रस्तावित वर अस्वीकार करना ● पत्नी द्वारा बिना बाजू का ब्लाउज पहनना, ऊँची हील वाली सैंडिल पहनना, आधुनिक जीवन-शैली अपनाना ● पत्नी द्वारा सदैव बच्चों का पक्ष लेना ● परिजनों का उनसे सलाह न लेना ● तनख्वाह उनके हाथ में न देना ● संयुक्त खाता न खुलवाना ● संबंधियों से दूरी बनाना (कोई पाँच बिंदु अपेक्षित) 	5
	(ii)	-	-	(कथन के पक्ष या विपक्ष में परीक्षार्थी के उचित एवं तर्कपूर्ण उत्तर स्वीकार्य)	5
	(iii)	-	-	<ul style="list-style-type: none"> ● नगर योजना सुव्यवस्थित और वैज्ञानिक रूप से तार्किक ● उन्नत, सुनियोजित, अद्वितीय वास्तुकला का उदाहरण ● आज की सेक्टर मार्का कॉलोनियों से बेहतर ● बाढ़ से बचने के लिए पूरा शहर छोटे-मोटे टीलों पर आबाद ● सड़कें चौड़ी, सीधी या आड़ी ● जल निकासी का उचित प्रबंध, नालियाँ पक्की और ढकी हुई ● घर, सार्वजनिक स्थल, कुंड एवं कुँओं की बनावट (कोई पाँच बिंदु अपेक्षित) 	5
	-	(i)	-	<p>कारण-</p> <ul style="list-style-type: none"> ● संयुक्त परिवार की आवश्यकता एवं महत्त्व को स्वीकारना ● परिवार के सभी सदस्यों की आवश्यकताओं की पूर्ति ● परंपरावादी सोच 	2+3

				(कोई दो बिंदु अपेक्षित) (प्रश्न के दूसरे भाग के लिए परीक्षार्थी के उचित एवं तर्कपूर्ण उत्तर स्वीकार्य)	
-	(ii)	-		(परीक्षार्थी के उचित एवं तर्कपूर्ण उत्तर स्वीकार्य)	5
-	(iii)	-		(कथन के पक्ष या विपक्ष में परीक्षार्थी के उचित एवं तर्कपूर्ण उत्तर स्वीकार्य)	5
-	-	(i)	<ul style="list-style-type: none"> ● संयुक्त परिवार के प्रति असहज होते हुए भी सामंजस्य में सफल ● आधुनिकता की पक्षधर ● नई पीढ़ी की सोच के अनुरूप खुद को ढालने में सक्षम ● संतान की प्रत्येक बात में सहमति ● फैशनपरस्त ● गरीब रिश्तेदारों से दूरी (कोई पाँच बिंदु अपेक्षित)	5	
-	-	(ii)	<p>स्कूल क्यों नहीं भेजना –</p> <ul style="list-style-type: none"> ● कर्तव्यों के प्रति उदासीनता ● पढ़ाई के महत्त्व को न समझना <p>चरित्र का विश्लेषण-</p> <ul style="list-style-type: none"> ● स्वार्थी (आत्मकेंद्रित) ● औरस (संतान के प्रति दायित्व) संबंध से उदासीन ● आलसी ● विलासी प्रवृत्ति (कोई तीन बिंदु अपेक्षित)	2+3	
-	-	(iii)	<ul style="list-style-type: none"> ● नगर, भवन निर्माण एवं वास्तुकला का अनूठा उदाहरण ● सीधी या आड़ी सड़कें, सभा भवन, प्रशासनिक इमारतें, ज्ञानशाला, कोठार आदि का मिलना ● मुख्य सड़क पर घर के दरवाजे न खुलना 	5	

				<ul style="list-style-type: none">● सभी घरों का व्यवस्थित होना● अधिकांश घरों का आकार तीस गुणा तीस फुट का होना● पकी हुई ईंटों का प्रयोग● जल-संग्रहण की उचित व्यवस्था● जल-निकासी का उत्तम प्रबंध आदि (कोई पाँच बिंदु अपेक्षित)	
--	--	--	--	--	--